भारत सरकार

ग्रामीण विकास मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1924

(11 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए)

अमृत सरोवर योजना

1924. श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी:

श्रीमती विजयलक्ष्मी देवी:

श्री हरीश चंद्र मीनाः

श्री कुलदीप इंदौरा:

क्या **ग्रामीण विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भावी पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक ग्रामीण जिले में 75 अमृत सरोवर का निर्माण अथवा पुनरुद्धार करने के लिए 2022 में मिशन अमृत सरोवर शुरू किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार देश के ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्थान सहित राज्यवार, जल संकट को दूर करने के लिए प्रत्येक जिले में अमृत सरोवर का निर्माण/जीर्णोद्धार करने के उद्देश्य से अमृत सरोवर योजना को क्रियान्वित कर रही है;

(ग) यदि हां, तो उक्त योजना के अंतर्गत राज्यवार विशेषकर राजस्थान के श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों, झारखंड तथा बिहार में किए गए प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है और क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं;

(घ) राज्यवार, जिलावार और मदवार कितनी धनराशि आवंटित और खर्च की गई है;

(ङ) राजस्थान सहित राज्यवार और विशेषकर श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में ऐसे मिशन के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(च) सरकार द्वारा ऐसे मिशन को आगे बढ़ाने के लिए जन भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री

(श्री कमलेश पासवान)

(क) से (ग) और (ड.): मिशन अमृत सरोवर की शुरूआत अप्रैल, 2022 में प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवर (तालाबों) के निर्माण या कायाकल्प के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ की गई थी ,

पूरे देश के लिए इनकी कुल संख्या 50,000 थी। दिनांक 06.03.2025 तक 68,000 से अधिक सरोवरों का कार्य पूरा हो चुका है। दिनांक 06.03.2025 तक जिन अमृत सरोवरों का कार्य पूरा कर लिया गया है उनका राज्यवार ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है। इस पहल ने जल की कमी की गंभीर समस्या का समाधान करने और विभिन्न क्षेत्रों में सतही और भूजल उपलब्धता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन सरोवरों ने न केवल तात्कालिक जल आवश्यकताओं को पूरा किया है , बल्कि स्थायी जल स्रोतों का निर्माण भी किया है , जो दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। दिनांक 06.03.2025 तक राजस्थान, झारखंड और बिहार में जिन अमृत सरोवरों का कार्य पूरा कर लिया गया है उनका जिलावार ब्यौरा **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(घ): मिशन अमृत सरोवर के कार्य राज्यों और जिलों द्वारा राज्य की योजनाओं के अलावा , जारी विभिन्न योजनाओं जैसे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (महात्मा गांधी नरेगा योजना) , 15वां वित्त आयोग अनुदान , प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की उप-योजनाओं जैसे वाटरशेड विकास घटक , हर खेत को पानी के अभिसरण से किए जा रहे हैं। इस कार्य के लिए क्राउडफंडिंग और कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी जैसे जन योगदान की भी अनुमति है।

(च): मिशन अमृत सरोवर के चरण-II में सामुदायिक भागीदारी (जन भागीदारी) को सर्वाधिक महत्व देते हुए जल उपलब्धता सुनिश्चित करने पर नए सिरे से ध्यान केन्द्रित करके इसे जारी रखने का विचार है और इसका उद्देश्य जलवायु अनुकूलन को बढ़ाना , पारिस्थितिकीय संतुलन को बढ़ावा देना और भावी पीढ़ियों के लिए स्थायी लाभ प्रदान करना है।

जन भागीदारी इस संपूर्ण मिशन की कुंजी रही है। लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सरकार के प्रयासों में सहायता करने के लिए नागरिकों को संगठित करने और गैर-सरकारी संसाधन जुटाने हेतु प्रोत्साहित करने हेतु, मिशन अमृत सरोवर के दिशानिर्देशों में स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं जो निम्नानुसार हैं:

i. अमृत सरोवर की आधारशिला रखने का नेतृत्व स्वतंत्रता सेनानी या उसके परिवार के सदस्य या शहीद (स्वतंत्रता के बाद) के परिवार या किसी पद्म पुरस्कार विजेता स्थानीय व्यक्ति द्वारा किया जाएगा , और यदि ऐसा कोई नागरिक उपलब्ध नहीं है , तो स्थानीय ग्राम पंचायत के सबसे वरिष्ठ सदस्य द्वारा किया जाएगा।
ii. निर्माण सामग्री, बेंच और श्रम दान द्वारा जनभागीदारी का प्रावधान।
iii. यदि ग्रामीण समुदाय चाहे तो सरोवर स्थल पर सौंदर्यीकरण का कार्य क्राउडसोर्सिंग और सीएसआर योगदान के माध्यम से आवश्यक दान एकत्र करके किया जा सकता है।
iv. स्वतंत्रता दिवस/गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रत्येक अमृत सरोवर स्थल पर स्वतंत्रता सेनानी या उसके परिवार के सदस्य या शहीद के परिवार के सदस्य या पद्म

पुरस्कार विजेता स्थानीय व्यक्ति द्वारा तिरंगा फहराए जाने का प्रावधान किया गया है। अमृत सरोवर स्थलों पर राष्ट्रीय उत्सव भी मनाए जा रहे हैं।

v. सिंचाई, मछलीपालन या सिंघाड़े की खेती सहित ऐसी जल संरचना के संभावित उपयोगकर्ताओं की पहचान की जानी चाहिए और उनके समूहों के निर्माण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

अनुबंध-I

लोक सभा में दिनांक 11.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत अतारांकित प्रश्न संख्या 1924 के भाग (क) से (ग) एवं (ड.) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

दिनांक 06.03.2025 **तक कार्य पूर्ण किए गए अमृत सरोवरों का राज्यवार ब्यौरा**		
क्र. सं.	**राज्य**	**कार्य पूर्ण किए गए अमृत सरोवरों की संख्या**
1	अंडमान और निकोबार	227
2	आंध्र प्रदेश	2154
3	अरुणाचल प्रदेश	772
4	असम	2966
5	बिहार	2613
6	छत्तीसगढ़	2902
7	गोवा	159
8	गुजरात	2650
9	हरियाणा	2088
10	हिमाचल प्रदेश	1691
11	जम्मू और कश्मीर	1056
12	झारखंड	2048
13	कर्नाटक	4056
14	केरल	866
15	लद्दाख	100
16	मध्य प्रदेश	5839
17	महाराष्ट्र	3055
18	मणिपुर	1226
19	मेघालय	705
20	मिजोरम	1031
21	नागालैंड	256

22	ओडिशा	2367
23	पुदुचेरी	152
24	पंजाब	1450
25	राजस्थान	3138
26	सिक्किम	199
27	तमिलनाडु	2487
28	तेलंगाना	1872
29	दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन और दीव	58
30	त्रिपुरा	682
31	उत्तराखंड	1322
32	उत्तर प्रदेश	16630
33	पश्चिम बंगाल	25
	कुल	**68842**

अनुबंध-II

लोक सभा में दिनांक 11.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत अतारांकित प्रश्न संख्या 1924 के भाग (क) से (ग) एवं (ड.) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

दिनांक 06.03.2025 तक राजस्थान में कार्य पूर्ण किए गए अमृत सरोवरों का जिलावार ब्यौर		
क्र. सं.	**राजस्थान के जिले**	**कार्य पूर्ण किए गए अमृत सरोवरों**
1	अजमेर	104
2	अलवर	119
3	बांसवाड़ा	148
4	बारां	75
5	बाड़मेर	97
6	भरतपुर	69
7	भीलवाड़ा	140
8	बीकानेर	124
9	बूंदी	107
10	चितौड़गढ़	74
11	चुरू	104
12	दौसा	78
13	धौलपुर	67

14	डूंगरपुर	109
15	**गंगानगर**	**95**
16	**हनुमानगढ़**	**69**
17	जयपुर	99
18	जैसलमेर	87
19	जालोर	100
20	झालावाड़	107
21	झुंझुनूं	75
22	जोधपुर	103
23	करौली	95
24	कोटा	68
25	नागौर	98
26	पाली	130
27	प्रतापगढ़	48
28	राजसमंद	76
29	सवाई माधोपुर	69
30	सीकर	79
31	सिरोही	97
32	टोंक	99
33	उदयपुर	129
	कुल	**3,138**

दिनांक 06.03.2025 तक बिहार में कार्य पूर्ण किए गए अमृत सरोवरों का जिलावार ब्यौर		
क्र. सं.	**बिहार के जिले**	**कार्य पूर्ण किए गए अमृत सरोवरों की संख्या**
1	अररिया	77
2	अरवल	71
3	औरंगाबाद	76
4	बांका	63
5	बेगूसराय	75
6	भागलपुर	60
7	भोजपुर	60
8	बक्सर	76
9	दरभंगा	71

10	गया	74
11	गोपालगंज	75
12	जमुई	73
13	जहानाबाद	75
14	कैमूर (भभुआ)	69
15	कटिहार	77
16	खगरिया	47
17	किशनगंज	60
18	लखीसराय	69
19	मधेपुरा	52
20	मधुबनी	74
21	मुंगेर	75
22	मुजफ्फरपुर	83
23	नालन्दा	67
24	नवादा	77
25	पश्चिम चंपारण	74
26	पटना	69
27	पूर्वी चंपारण	81
28	पूर्णिया	75
29	रोहतास	80
30	सहरसा	51
31	समस्तीपुर	77
32	सारण	56
33	शेखपुरा	48
34	शिवहर	19
35	सीतामढ़ी	62
36	सिवान	75
37	सुपौल	69
38	वैशाली	101
	कुल	**2613**

दिनांक 06.03.2025 तक झारखंड में कार्य पूर्ण किए गए अमृत सरोवरों का जिलावार ब्यौर		
क्र. सं.	**झारखंड के जिले**	**कार्य पूर्ण किए गए अमृत सरोवरों की संख्या**
1	बोकारो	77
2	चतरा	86
3	देवघर	80
4	धनबाद	80
5	दुमका	117
6	गढ़वा	65
7	गिरिडीह	78
8	गोड्डा	75
9	गुमला	75
10	हजारीबाग	116
11	जामताड़ा	75
12	खूंटी	75
13	कोडरमा	77
14	लातेहार	99
15	लोहरदगा	84
16	पाकुर	75
17	पलामू	58
18	पश्चिमी सिंहभूम	84
19	पूर्वी सिंहभूम	106
20	रामगढ़	87
21	रांची	140
22	साहिबगंज	85
23	सरायकेला खरसावां	70
24	सिमडेगा	84
	कुल	**2048**